भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 89
उत्तर देने की तारीख 01.12.2025

भरतपुर की सांस्कृतिक विरासत और लोक कला का संरक्षण

89. श्रीमती संजना जाटव :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार राजस्थान के भरतपुर जिले की पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत और लोक कला के संरक्षण और संवर्धन की स्थिति और इसकी निरंतर उपेक्षा से अवगत है, जिसके कारण यह धीरे-धीरे धूमिल होती जा रही है;
(ख) यदि हां, तो सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, स्थानीय कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संबंधित योजनाओं का ब्यौरा क्या है; और
(ग) यदि नहीं, तो जिले में अपर्याप्त सरकारी ध्यान और प्रभावी सांस्कृतिक विकास की कमी के क्या कारण हैं?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): राजस्थान सहित देश की लोक कला एवं संस्कृति के विभिन्न रूपों की संरक्षा, संवर्धन एवं परिरक्षण तथा पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए भारत सरकार ने सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (जेडसीसी) स्थापित किए हैं। राजस्थान, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (डब्ल्यूजेडसीसी), उदयपुर; उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनजेडसीसी), पटियाला तथा उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनसीजेडसीसी), प्रयागराज का सदस्य राज्य है। ये जेडसीसी राजस्थान राज्य सहित अपने सदस्य राज्यों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकलापों एवं कार्यक्रमों का नियमित आधार पर आयोजन करते हैं। ये जेडसीसी राजस्थान राज्य सहित अपने सदस्य राज्यों की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए अनेक स्कीमें यथा युवा प्रतिभावान कलाकारों को पुरस्कार, गुरु शिष्य परंपरा, रंगमंच नवीनीकरण, अनुसंधान और प्रलेखन, शिल्पग्राम, ऑक्टेव और राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम भी कार्यान्वित करते हैं।

हाल ही में, डब्ल्यूजेडसीसी, एनजेडसीसी और एनसीजेडसीसी ने भरतपुर सहित राजस्थान के लुप्तप्राय कला रूपों जैसे भपंग वादन, बहुरूपी कला, सारंगी वादन, तमाशा लोक रंगमंच, संस्कृत नाट्य, कडताल वादन, कालबेलिया नृत्य, ध्रुपद गायन, मांड गायन, मधेरन कला, रावण हत्था वाद्य, मेवाती लोक गायन और कुचामनी ख्याल लोक नाट्य के पुनरुद्धार का कार्य आरंभ किया है।

संस्कृति मंत्रालय ने वस्त्र मंत्रालय, राज्य सरकारों के सांस्कृतिक विभागों, अलग-अलग राज्य/केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लोकगीत और सांस्कृतिक अध्ययन विभागों के सहयोग से सभी 7 क्षेत्रों में क्षेत्रीय स्तर पर सभी जेडसीसी द्वारा विलुप्त लोक एवं जनजातीय कला उत्थान महोत्सव (लुप्तप्राय कला रूपों का महोत्सव) भी आयोजित किया है।

डब्ल्यूजेडसीसी, एनजेडसीसी और एनसीजेडसीसी द्वारा राजस्थान सहित अपने सदस्य राज्यों के लोक कलाकारों को उनके द्वारा आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकलापों और कार्यक्रमों में शामिल किया जाता है, जिसके लिए उन्हें मानदेय, टीए/डीए, आवास और भोजन, स्थानीय परिवहन आदि का भुगतान किया जाता है।

(ख): संस्कृति मंत्रालय द्वारा गुरु-शिष्य परम्परा (रेपर्टरी अनुदान) स्कीम संचालित की जाती है, जिसके अंतर्गत मंच कला की सभी शैलियों जैसे संगीत समूहों, नृत्य समूहों, बाल रंगमंच सहित रंगमंच समूहों, संगीत मंडलियों आदि के लोक कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस स्कीम के तहत गुरु (समूह का लीडर) के लिए सहायता राशि 15,000/- रुपए प्रति माह और कलाकार की आयु के आधार पर शिष्य के लिए 2,000-10,000/- रुपए प्रति माह है।

राजस्थान सहित देश के पारंपरिक मेला उत्सवों को प्रोत्साहित करने के लिए, संस्कृति मंत्रालय द्वारा 'सांस्कृतिक समारोह और निर्माण अनुदान स्कीम (सीएफपीजी)' संचालित की जाती है जिसके अंतर्गत संगोष्ठियों, सम्मेलनों, शोध, कार्यशालाओं, उत्सवों, प्रदर्शनियों, विचारगोष्ठियों, नृत्य, नाटक-रंगमंच, संगीत आदि के निर्माण के आयोजन के लिए संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस स्कीम के तहत राजस्थान में स्थित संगठनों को विगत तीन वर्षों के दौरान जारी अनुदान निम्नानुसार है:

क्र. सं.	वर्ष	संगठनों की संख्या	राशि
i.	2022-23	48	81.16 लाख रुपए
ii.	2023-24	58	82.28 लाख रुपए
iii.	2024-25	40	61.55 लाख रुपए

संस्कृति मंत्रालय अपने क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों के माध्यम से देश में राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव (आरएसएम) आयोजित करता है, जिसमें राजस्थान राज्य सहित पूरे भारत से बड़ी संख्या में लोक कलाकारों को इस आयोजन के दौरान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए मंच प्रदान किया जाता है। अब तक, संस्कृति मंत्रालय द्वारा 14 राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव और 04 क्षेत्रीय स्तर के राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित किए गए हैं। 14वां राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव 25 फरवरी से 5 मार्च, 2023 तक राजस्थान के बीकानेर में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन भारत की महामहिम राष्ट्रपति ने किया था।

पहला क्षेत्रीय स्तर का राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव 5 सितंबर, 2023 को कोटा, राजस्थान में आयोजित किया गया था। भारत के तत्कालीन माननीय उप राष्ट्रपति इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

(ग): प्रश्न नहीं उठता।

*****